October 2015 - March 2016 Vol. 9 (2)

अक्तूबर 2015 - मार्च 2016 अंक 9 (2)

From Director's Desk......

The major activities of ICAR-CIWA during this period started with the first meeting of the steering committee on GAP-India, held on 8 October, 2015 at the Division of Agricultural Education, ICAR, New Delhi chaired by Dr. Narendra Singh Rathore, Deputy Director General (Agricultural Education). The World Food Day was celebrated on 16 October, 2015 by this Institute in collaboration with Orissa Krishak Samaj, Bhubaneswar and at adopted tribal village Tarajodi. A Woman in Agriculture Day was celebrated on 4 December, 2015 in which Dr. Prasanna Kumar Patasani, Member of Parliament was the Chief Guest and Dr. S. K. Ambast, Director, ICAR-Indian Institute of Water Management, Bhubaneswar was the Guest of Honour. The programme was attended by 200 farm women. Jai Kisan Jai Vigyan week was observed at this Institute from 23-29 December, 2015 to commemorate the birth anniversary of two former Prime Ministers of India Shri Atal Bihari Vajpayee and Late Shri Choudhary Charan Singh. The first Foundation Day of this Institute was celebrated on 17 February, 2016. On this occasion Prof. P. P. Mathur, Vice-Chancellor KIIT University, Bhubaneswar was the Chief Guest. Review meetings of All India Coordinated Project on Home Science, Collaborative project and Outreach project were held at New Delhi to review the research achievements and action plan for the period of 2016-17 in the chairmanship of Dr. Narendra Singh Rathore, Deputy Director General (Agricultural Education). The National Science Day and International Women's Day were also observed during the period. On the occasion of International Women's Day Dr. (Mrs.) Charmaine Smith was the Chief Guest and Dr. Jimmy Smith, Director General, International Livestock Research Institute, Kenya was the Guest of Honor. The programme was focused on Agri-entrepreneurship for empowerment of women, under the overall theme of 'Gender equality'. National Scientific Seminar in Hindi was organized on 17 March, 2016 in collaboration with four other national institutes CSIR-IMMT, NISER, IOP, and ILS located in Bhubaneswar. The topic of the seminar was 'Role of science and technology institutions in Start-up India Mission.'

I extend a very warm welcome to Miss Chaitrali Shashank Mhatre who joined as Scientist this institute and I expressed all my support to all my colleagues for innovative research, extension and development of farm women.

Jatinder Kishtwaria

निर्देशक की कलम से ......

भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. की इस अवधि की गतिविधियों का शुभारंभ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के कृषि शिक्षा प्रभाग में दिनांक 8 अक्तूबर, 2015 को जीएपी-इंडिया पर संचालन समिति की प्रथम बैठक के आयोजन से हुआ जिसकी अध्यक्षता डा. नरेन्द्र सिंह राठौर, उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) ने की थी। विश्व खाद्य दिवस का आयोजन 16 अक्तूबर, 2015 को एक सुदूर आदिवासी गांव तारा जोड़ी और ओडिशा कृषक समाज भुवनेश्वर में हुआ। कृषिरत महिला दिवस का आयोजन 4 दिसम्बर, 2015 को हुआ जिसमें डा. प्रसन्न कुमार पाटसाणी, सांसद मुख्य अतिथि थे तथा डा.एस.के.अम्बास्ट, निदेशक, भा.कृ.अनु.प. आईआईडब्ल्यूएम, भुवनेश्वर सम्मानीय अतिथि थे। इस कार्यक्रम में 200 कृषिरत महिलाओं ने भाग लिया। जय किसान जय विज्ञान सप्ताह का आयोजन भारत के पूर्व प्रधान मंत्रियों-श्री अटल बिहारी वाजपेयी और स्व.श्री चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस के उपलक्ष में 23 से 29 दिसम्बर, 2015 तक इस संस्थान में किया गया। भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. का स्थापना दिवस 17 फरवरी, 2016 को मनाया गया। इस अवसर पर के आई आईटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.पी.पी.माथुर मुख्य अतिथि थे। गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित परियोजना तथा सहयोगी परियोजना व आउटरीच परियोजना की समीक्षा बैठक एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में आयोजित की गई जिसमें 2016-17की अवधि के लिए अनुसंधान उपलब्धियों तथा कार्य योजना की समीक्षा की गई। डा. नरेन्द्र सिंह राठौर, उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली ने बैठक की अध्यक्षता की। इस अवधी के दौरान राष्ट्रीय विज्ञान दिवस और अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का भी आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर श्रीमती चारमैन स्मिथ, मुख्य अतिथि तथा डा. जिम्मी स्मिथ, महानिदेशक, अंतरराष्ट्रीय पशुधन अनुसंधान संस्थान, केनिया सम्मानीय अतिथि थे। इस कार्यक्रम में सकल मुख्य उद्देश्य 'जेंडर समानता' के अंतर्गत महिला सशक्तीकरण के लिए कृषि उद्यमशीलता पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया गया। भुवनेश्वर में स्थित चार अन्य राष्ट्रीय संस्थानों नामत: सीएसआईआर-आईएमएमटी, एनआईएसईआर, आईओपी और आईएलएस के सहयोग से इस संस्थान में 17 मार्च, 2016 को हिंदी में एक राष्ट्रीय वैज्ञानिक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का विषय स्टार्ट अप इंडिया मिशन में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थानों की भूमिका'था।

मैं इस संस्थान में सुश्री चैत्राली शशांक म्हात्रे, वैज्ञानिक का हार्दिक स्वागत करती हूँ। मैंने अपने सभी सहयोगियों के प्रति फार्म महिलाओं के नवोन्मेषी अनुसंधान, विस्तार व विकास के लिए समर्थन व्यक्त किया।

जतिन्दर किशतवारिया

RESEARCH HIGHLIGHTS

A total of 20 projects, in which four collaborative projects, one outreach, one flagship project, one externally funded and Gender in Agriculture Partnership (GAP) are running in the institute.

Aqua and poultry feed from fish and shellfish wastes for employment generation of coastal women-

The experiment on the effect of dietary supplementation of fish silage on growth performance of broiler poultry birds was carried out for a period of 6 weeks to study the "Effect of feeding fish silage on the performance of broiler chickens" on growth, feed consumption, feed efficiency, mortality, carcass characteristics and serum biochemical parameters. 180 day old chicks were divided into 3 groups and fed with 0%, 5% and 10% fish silage through their diets (Table 1). There was no significant difference in cumulative body weight gain of chicken between different treatments during 0-6 weeks of age. The cumulative feed conversion ratio also did not differ significantly ($P>0.05$) between groups during 0-6 weeks of age. In the serum biochemical analysis, the level of serum proteins and albumin were similar in all of the treatment groups. The effect of supplementation of fish silage in the diet of broiler chicken was found to be non significant with respect to plasma glucose concentration. Supplementation of broiler diet with 10% acid treated silage resulted in a reduction in feed cost of ₹ 5/kg.

Table 1 : Weekly mean body weight gain (g) of broiler chickens under different treatments

Age in weeks	T_1(Control diet without fish silage)	T_2(Diet with 5% fish silage)	T_3(Diet with 10% fish silage)	Remark
1	$74.91^{a}\pm2.12$	$78.40^{ab}\pm1.22$	$82.24^{b}\pm0.56$	*
2	137.37 ± 5.67	147.46 ± 1.70	140.59 ± 1.29	NS
3	179.11 ± 10.83	202.58 ± 8.62	206.56 ± 12.10	NS
4	$279.94^{a}\pm11.23$	$361.62^{b}\pm5.63$	$301.14^{a}\pm3.50$	**
5	406.18 ± 0.18	374.24 ± 3.65	409.51 ± 13.34	NS
6	588.46 ± 19.01	532.10 ± 6.40	521.36 ± 25.62	NS

Nutritional status profile of farm women in coastal Odisha

Nutritional status assessment of farm women of 40 selected households under collaborative project Empowerment of farm women for improved quality of life indicated that 52.5% women were normal as per their body mass index calculated by anthropometric

अनुसंधान उपलब्धियाँ

इस संस्थान में कुल 20 परियोजनाएं जिनमें चार सहयोगात्मक परियोजनाएं, एक आउटरीच परियोजना, एक फ्लैगशिप परियोजना, एक बाह्य निधि सहायता परियोजना तथा कृषि साझेदारी में जेंडर (जीएपी-इंडिया) चल रही हैं।

तटवर्ती महिलाओं के रोजगार सृजन के लिए मछली तथा कवचमीन अपशिष्टों से जलीय तथा कुक्कुट आहार

मछली साइलेज के आहारीय सम्पूरक का ब्राइलर कुक्कुट पक्षियों पर क्या प्रभाव पड़ता है, इस पर एक प्रयोग 6 सप्ताहों की अवधि के लिए किया गया। इस अध्ययन का विषय था 'ब्राइलर चूजों' के निष्पादन पर मछली साइलेज का आहार देने का प्रभाव। इसके अंतर्गत वृद्धि, आहार के उपभोग, भरण की दक्षता, मृत्यु, शव के गुणों तथा सीरम जैव रासायनिक प्राचलों का अध्ययन किया गया। एक सौ अस्सी दिन आयु के चूजों को तीन समूहों में बांटा गया और उन्हें उनके आहारों के माध्यम से 0 प्रतिशत, 5 प्रतिशत और 10 प्रतिशत मछली साइलेज खिलाया गया। 0-6 सप्ताह की आयु के दौरान विभिन्न उपचारों में चूजों के संचयी कायाभार की प्राप्ति में कोई उल्लेखनीय अंतर नही था। ०-६ सप्ताह की आयु के दौरान समूहों के बीच संचयी खाद्य परिवर्तन अनुपात में भी कोई उल्लेखनीय ($P>0.05$) अंतर नहीं था। सीरम जैव रसायनविमानी विश्लेषण में उपचार के सभी समूहों में सीरम प्रोटीन तथा एलब्यूमिन के स्तर समान थे। ब्राइलर चूजों के आहार में मछली साइलेज के सम्पुरण का प्लाज़्म ग्लूकोज सांद्रता के संदर्भ में भी गैर-उल्लेखनीय प्रभाव पाया गया। ब्राइलर के आहार में 10 प्रतिशत अम्ल उपचारित साइलेज के सम्पूरण के परिणामस्वरूप आहार की लागत में 5.00 रु/कि.ग्रा.भार की कमी देखी गई।

टेबल 1 : विभिन्न उपचारों के अंतर्गत ब्राइलर चूजों की साप्ताहिक औसत काया भार प्राप्ति (ग्रा.)

सप्ताहों में आयु	T_1 (मछली साइलेज के बिना तुलनीय आहार)	T_2 (5 प्रतिशत मछली साइलेज से युक्त आहार)	T_3 (10 प्रतिशत मछली साइलेज से युक्त आहार)	टिप्पणी
1	$74.91^{a}\pm2.12$	$78.40^{ab}\pm1.22$	$82.24^{b}\pm0.56$	-
2	137.37 ± 5.67	147.46 ± 1.70	14.59 ± 1.29	एनएस
3	179.11 ± 10.83	202.58 ± 8.62	206.56 ± 12.10	एनएस
4	$279.94^{a}\pm11.23$	$361.62^{b}\pm5.63$	$301.14^{a}\pm3.50$	-
5	406.18 ± 0.18	374.24 ± 3.65	409.51 ± 13.34	एनएस
6	588.46 ± 19.01	532.10 ± 6.40	521.36 ± 25.62	एनएस

तटवर्ती ओडिशा में फार्म महिलाओं का पौषणिक स्तर प्रोफाइल

जीवन की उन्नत गुणवता के लिए फार्म महिलाओं के सशक्तीकरण की सहयोगी परियोजना के अंतर्गत 40 चुने गए परिवारों की फार्म महिलाओं के पौषणिक स्तर के मूल्यांकन से यह संकेत मिला कि 52.5 प्रतिशत महिलाएं मानवकीमिती मापों द्वारा गणना किए गए काया द्रव्यमान सूचकांक के अनुसार सामान्य थीं और 10 प्रतिशत महिलाएं स्थूल थीं।

measurements and 10% were obese. Around 37% women were facing Chronic Energy Deficiency from mild to severe degree. Disease and health situation was also assessed and it was found that tuberculosis and diarrhea affected the families from 15-30%. As large number of population is suffering from CED, intervention has been initiated among 40 farm families to reduce the CED by cultivating green leafy vegetables in their homestead, nutrition education to farm women on various aspects of nutrition and training-cum-demonstration on low cost nutritious recipes and preservation of locally available fruits and vegetables.

लगभग 30 प्रतिशत महिलाओं में मध्यम से गहन श्रेणी का चिरकालिक ऊर्जा कमी की समस्या थी। रोग तथा स्वास्थ्य संबंधी स्थिति का भी मूल्यांकन किया गया और यह पाया गया कि 15-30 प्रतिशत परिवार क्षय रोग तथा अतिसार से प्रभावित ते। चूंकि अधिकांश जनसंख्या सीईडी से ग्रस्त थी, अत: उनके घर के आस-पास हरी पत्तेदार सब्जियों की खेती द्वारा सीईडी को कम करने के लिए 40 फार्म परिवारों के बीच हस्तक्षेप का कार्य आरंभ किया गया। इसके साथ ही फार्म महिलाओं को पोषण के विभिन्न पहलुओं पर पौषणिक शिक्षा प्रदान की गई और स्थानीय रूप से उपलब्ध फलों व सब्जियों के परिक्षण के साथ-साथ कम लागत के पौषणिक व्यंजनों पर प्रशिक्षण व प्रदर्शन कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

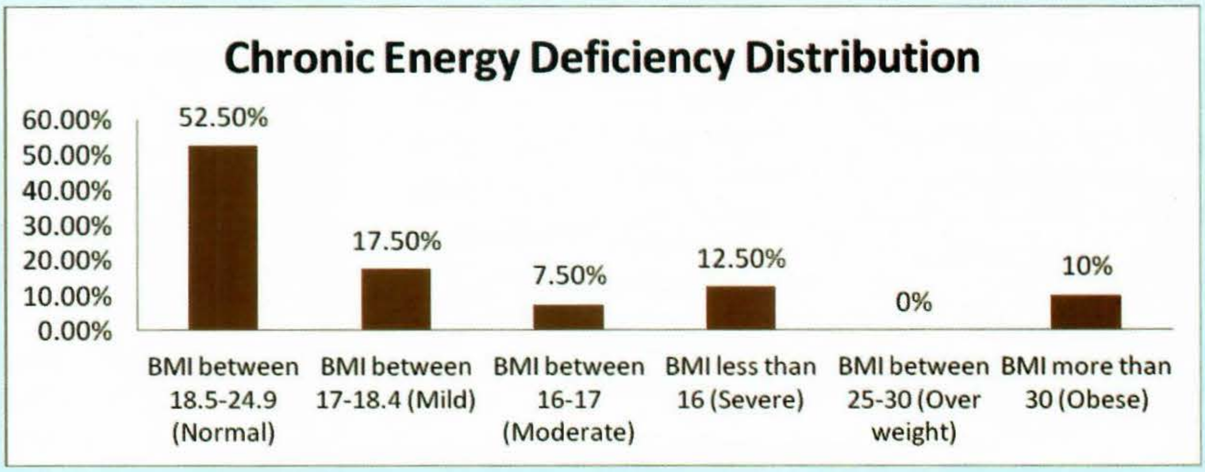

MAJOR EVENTS

Steering Committee Meeting of Gender in Agriculture Partnership (GAP)- India

The first meeting of the Steering Committee on GAP-India was held on 8 October, 2015 at the Division of Agricultural Education, ICAR, New Delhi. Dr. Narendra Singh Rathore, DDG (Agril. Education) chaired the meeting. Members of the Steering Committee -Dr. P. K. Joshi, Director, South Asia, IFPRI, Dr. Krishna Srinath, former Director, ICAR-CIWA, Dr. P. S. Pandey, ADG (EP&HS), Dr. S. K. Srivastava, Director (Acting), ICAR-CIWA, Smt. Roza Sethumadhavan, DS

मुख्य घटनाएं

कृषि साझेदारी में जेंडर (जीएपी) - इंडिया की संचालन समिति की बैठक

जीएपी - इंडिया की संचालन समिति की प्रथम बैठक कृषि शिक्षा प्रभाग, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली में 8 अक्तूबर, 2015 को आयोजित हुई। नरेन्द्र सिंह राठौर, उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा) ने बैठक की अध्यक्षता की। संचालन समिति के सदस्य- पी.के.जोशी, निदेशक, दक्षिण एशिया, आईएफपीआरआई; कृष्णा श्रीनाथ, पूर्व निदेशक, भा.कृ.अनु.प- के.कृ.म.सं.; पी.एस. पाण्डे, सहायक महानिदेशक (ईपी और एचएस); एस. के. श्रीवास्तव, निदेशक (कार्यवाहक), भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं.;

(Agril. Education) and Dr. H. K. Dash, Principal Scientist, ICAR-CIWA attended the meeting. Besides the committee members, Assistant Director Generals and Principal Scientists of the Education Division were also participated in the meeting. The Steering Committee discussed the framework of GAP-India, its activities and implementation plan.

World Food Day

On 16 October, 2015, ICAR- Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar participated in the celebration of 'World Food Day' organized by Orissa Krishak Samaj, Bhubaneswar on the 60th[th] anniversary of Bharat Krishak Samaj, New Delhi. The programme was inaugurated by Mr. Ajay Vir Jakhar, Chairman Bharat Krishak Samaj, New Delhi in the presence of Mr. Bishnupada Sethi, IAS, Commissioner-Cum-Secretary, Fisheries and ARD Departments, Government of Odisha; Dr. Khageswar Pradhan, Former Vice-Chancellor OUAT, Bhubaneswar; Dr. S. K. Srivastava, Director (Acting), ICAR-CIWA, Bhubaneswar; Dr. S. K. Rout, Dean Extension, OUAT, Bhubaneswar; Dr. T. Moharana, Former HOD, Horticulture Department, OUAT, Bhubaneswar and Dr. P. C. Mohanty, Chairman, Orissa Krishak Samaj, Bhubaneswar. The importance of the institute and work done by the institute for farm women was highlighted by Dr. S. K. Srivastava. It was further highlighted by him that the issues of the farm women need to be addressed for sustainable farm productivity and ensured food security by smallholders in India for prosperity. Farm women were encouraged to adopt Integrated Farming Systems and inculcate entrepreneurship skills, as trained, innovative, responsible and visionary women farmers are anticipated to lead our agriculture especially when India is on the verge of second Green Revolution. The vote of thanks was delivered by Mr. B. K. Sahoo, Coordinator, Orissa Krishak Samaj, Bhubaneswar. The exhibition stall of ICAR-CIWA was inaugurated by Dr. Khageswar Pradhan in the presence of other dignitaries. Women friendly technologies, drudgery reducing tools,

श्रीमती रोज़ा रेतुमाधवन, उप सचिव (कृषि शिक्षा) और एच.के.दाश, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. ने भी बैठक में भाग लिया। समिति के सदस्यों के अतिरिक्त शिक्षा प्रभाग के सहायक महानिदेशकों व प्रधान वैज्ञानिकों ने भी आमंत्रित अतिथियों के रूप में बैठक में भाग लिया। संचालन समिति ने जीएपी-इंडिया के ढांचे, इसकी गतिविधियों तथा कार्यान्वयन योजना पर चर्चा की।

विश्व खाद्य दिवस

दिनांक 16 अक्तूबर, 2015 को भा.कृ.अनु.प. केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, भुवनेश्वर ने ओडिशा कृषक समाज, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित 'विश्व खाद्य दिवस' समारोह में भाग लिया जिसका आयोजन भारत कृषक समाज, नई दिल्ली की साठवीं जयंती पर किया गया था। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री अजयवीर जाखड़, अध्यक्ष, भारत कृषक समाज, नई दिल्ली; श्री विष्णुपद सेठी, आईएएस, आयुक्त एवं सचिव, मात्स्यिकी तथा एआरडी विभागों, ओडिशा सरकार; डॉ.खगेश्वर प्रधान, पूर्व कुलपति, ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर;, एस.के.श्रीवास्तव, निदेशक (कार्यवाहक), भा.कृ.अनु.प - के.कृ.म.सं., भुवनेश्वर; एस. के. राउत, डीन विस्तार, ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर और पी.सी.मोहंती, अध्यक्ष, ओडिशा कृषक समाज, भुवनेश्वर की उपस्थिति में हुआ। फार्म महिलाओं के लिए संस्थान के महत्व तथा संस्थान द्वारा किए गए कार्य पर एस. के. श्रीवास्तव ने प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि फार्म महिलाऔ से संबंधित मुद्दों को समृद्धि के लिए भारत में छोटे जोत के किसानों द्वारा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और टिकाऊ फार्म उत्पादकता के लिए सुलझाया जाना चाहिए। फार्म महिलाओं को एकीकृत कृषि प्रणालियां अपनाने और स्वयं में उद्यमशील निपुणताएं विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया क्योंकि प्रशिक्षित, नवोन्मेषी, अनुक्रियाशील तथा व्यापक दृष्टि वाली महिला कृषकों को कृषि के क्षेत्र में नेतृत्व निभाने वाला माना जा सकता है, विशेष रूप से उस भारत में जो द्वितीय हरित क्रांति की ओर अग्रसर है। धन्यवाद ज्ञापन श्री बी.के. साहू, समन्वयक, उड़ीसा कृषक समाज, भुवनेश्वर द्वारा किया गया। भा.कृ.अनु.प. - के.कृ.म.सं. के प्रदर्शनी स्टॉल का उद्घाटन अन्य महानुभावों की उपस्थिति में खगेश्वर प्रधान ने किया। इस प्रदर्शनी स्टॉल में महिलाओं के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकियों, परिश्रम को कम करने वाले औजारों, जेंडर के प्रति

gender sensitive extension models and literature developed by the Institute were displayed to over 700 farmers and farm women in the exhibition through different models and posters. The queries raised by the farmers and farm women were efficiently answered by the ICAR-CIWA team consisting of Dr. Laxmipriya Sahoo, Dr. Shivaji Argade, Mrs. Tapaswini Sahoo and Er. Pragati Kishore Rout.

'World Food Day, 2015' was also celebrated at adopted tribal village viz., Tarajodi in Shamakhunta block of Mayurbhanj district on 16 October, 2015. The theme of the celebration was 'Social Protection and Agriculture', which aims to underline the role social protection plays in reducing chronic food insecurity and poverty by ensuring access to food. In this context, the farm families were sensitized that their role is crucial in ensuring food security. On this occasion, an interface was also held with tribal farm families, and advisories were given for vegetable production during Rabi season. Improved seeds of cabbage, beans, green leafy vegetables and coriander were distributed to the participants. About 60 tribal farm families participated in the programme.

Women in Agriculture Day

ICAR-CIWA has organized Women in Agriculture Day on 4 December, 2015. On this occasion Dr. Prasanna Kumar Patasani, Member of Parliament was the Chief Guest and Dr. S. K. Ambast, Director, ICAR-IIWM, Bhubaneswar was the Guest of Honour. The programme was attended by more than 200 farm women. Dr. S. K. Srivastava, Director (Acting), ICAR-CIWA briefed the importance and significance of the celebrating Women in Agriculture Day and gave elaborative deliberation of importance of women in agriculture. During his address, Dr. Prasanna Kumar Patasani, the Chief Guest stated that organic farming cannot sustain without involvement of women as they are preservers of various farm based ITKs. ICAR-CIWA publication was also released by the dignitaries during

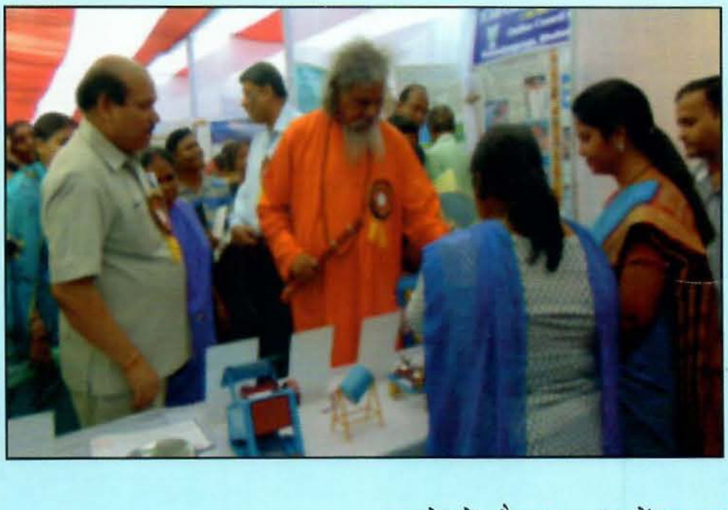

संवेदी विस्तार मॉडलों व संस्थान द्वारा विकसित साहित्य का प्रदर्शन किया गया तथा विभिन्न मॉडलों और पोस्टरों के माध्यम से इस प्रदर्शनी में 700 से अधिक किसानों तथा फार्म महिलाओं ने भाग लिया। किसानों तथा फार्म महिलाओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों का भा.कृ.अनु.प. - के.कृ.म.सं. के दल द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया। इस दल में लक्ष्मीप्रिया साहू, शिवाजी अरगडे, श्रीमती तपस्विनी साहू और इं.प्रगति किशोर राउत शामिल थे।

विश्व खाद्य दिवस, 2015 मयुरभंज जिले के शामखुंटा ब्लॉक में स्थित सुदूर आदिवासी गांव ताराजोड़ी में भी 16 अक्तूबर, 2015 को आयोजित किया गया। इस आयोजन का मुख्य विषय 'सामाजिक सुरक्षा और कृषि' था जिसका उद्देश्य आहार तक पहुंच सुनिश्चित करके चिरकालिक खाद्य असुरक्षा एवं निर्धनता को कम करने में सामाजिक सुरक्षा द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका को रेखांकित करना था। इस संदर्भ में फार्म महिलाओं को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में प्रेरित किया गया। इस अवसर पर आदिवासी फार्म परिवारों के साथ परिचर्चा भी हुई तथा रबी मौसम के दौरान उन्हें सब्जी उगाने का परामर्श दिया गया। प्रतिभागियों के बीच बंदगोभी, बीन्स, हरी पत्तेदार सब्जियों तथा धनिया के उन्नत बीज भी बांटे गए। इस कार्यक्रम में लगभग 60 आदिवासी फार्म परिवारों ने भाग लिया।

कृषिरत महिला दिवस

भा.कृ.अनु.प - केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान (भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं.) द्वारा 4 दिसम्बर, 2015 को कृषिरत महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसन्न कुमार पाटसाणी, सांसद, भुवनेश्वर मुख्य अतिथि थे तथा एस.के.अम्बास्ट, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.- आइआइडब्ल्यूएम, भुवनेश्वर सम्मानीय अतिथि ते। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक फार्म महिलाओं ने भाग लिया। एस.के.श्रीवास्तव, निदेशक (कार्यवाहक) भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. ने कृषिरत महिला दिवस के आयोजन के महत्व के बारे में संक्षेप में बताया तथा कृषि में महिलाओं के महत्व की विस्तार से व्याख्या की। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि प्रसन्न कुमार पाटसाणी ने कहा कि महिलाओं के शामिल हुए बिना जैविक खेती को टिकाऊ नहीं बनाया जा सकता क्योंकि वे फार्म पर आधारित विभिन्न देसी ज्ञान की परिरक्षक हैं। इस समारोह के दौरान महानुभावों द्वारा एक भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. प्रकाशन भी विमोचित किया गया। कार्यक्रम के दौरान फार्म महिलाओं

the function. During the programme technologies and innovations of OUAT & other ICAR institutes were also displayed for the benefit of the farm women. A farmer-scientist interface was organized to discuss the problems in agriculture and solutions were given by the expert scientists of ICAR-CIWA and OUAT Bhubaneswar. Progressive farm women were also felicitated during the programme.

Jai Kisan Jai Vigyan Week

ICAR- CIWA, Bhubaneswar celebrated 'Jai Kisan Jai Vigyan' Week from 23-29 December, 2015 to commemorate the birth anniversary of two former Prime Ministers of India, Shri Atal Bihari Vajpayee and Late Shri Chaudhary Charan Singh. As a part of celebration, three outreach programmes were organized in three villages namely Kadua, Chamarpada and Bandhahata of Puri and Cuttack district of Odisha. Scientist-farmer interface, debate competition for farmwomen and quiz competition for children were organised. In the outreach programmes, the importance of having closer linkage between farmers and scientists for effective transfer of technologies were highlighted. Ten consolation prizes for farm women and 17 consolation prizes along with first three winner prizes for children were given at the venue of each outreach programme. The concluding function of 'Jai Kisan Jai Vigyan Week' organized at ICAR-CIWA, Bhubaneswar on 29 December, 2015. A scientist-farmer's interface was organized at the institute followed by concluding function. Dr. P. C. Mohanty, Vice-president, Bharat Krishak Samaj, New Delhi and President, Orissa Krishak Samaj, Bhubaneswar was the Chief Guest. The programme was attended by more than 80 farm women and other stakeholders of different villages from the Puri and Cuttack districts of Odisha. Dr. S. K. Srivastava, Director, ICAR-CIWA welcomed all and briefed the importance of celebrating 'Jai Kisan Jai Vigyan Week' and gave elaborative deliberation on role of ICAR-CIWA in gender mainstreaming and women empowerment. The

के लाभ के लिए ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय तथा भा.कृ.अनु.प. के संस्थानों की प्रौद्योगिकियों तथा नवीन खोजों का प्रदर्शन भी किया गया। कृषि में आने वाली समस्याओं पर चर्चा करने के लिए एक कृषक -वैज्ञानिक परिचर्चा भी ओयोजित हुई तथा भा.कृ.अनु.प - के.कृ.म.सं. और ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के विशेषज्ञ वैज्ञानिकों द्वारा समस्यायों के हल प्रस्तुत किए गए। इस कार्यक्रम के दौरान प्रगतशील फार्म महिलाओं को सम्मानित भी किया गया।

जय किसान जय विज्ञान सप्ताह

भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं., भुवनेश्वर ने भारत के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों नामत: श्री अटल बिहारी वाजपेयी और स्वर्गीय श्री चौधरी चरण सिंह के जन्म दिवस के उपलक्ष में 23 से 29 दिसम्बर, 2015 तक 'जय किसान जय विज्ञान' सप्ताह का आयोजन किया। समारोह के एक अंग के रूप में ओडिशा के पुरी और कटक जिले के तीन गांवों नामत: कदुआ, चामरपाड़ा और बंधाहाटा में तीन आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनके अंतर्गत वैज्ञानिक-कृषक परिचर्चा, फार्म महिलाओं के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा बच्चों के लिए प्रश्न मंच जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। आउटरीच कार्यक्रमों में प्रौद्योगिकियों के प्रभावी हस्तांतरण के लिए किसानों और वेज्ञानिकों के बीच घनिष्ठ सम्पर्कों के महत्व को उजागर किया गया। फार्म महिलाओं को 10 सांत्वना पुरस्कार तता बच्चों के लिए प्रथम तीन विजेता पुरस्कारों के साथ 17 सांत्वना पुरस्कार प्रत्येक आउटरीच कार्यक्रम के स्थल पर प्रदान किए गए। 'जय किसान जय विज्ञान' सप्ताह का समापन समारोह 29 दिसम्बर, 2015 को भा.कृ.अनु.प. - के.कृ.म.सं., भुवनेश्वर में आयोजित किया गया। संस्थान में एक वैज्ञानिक-कृषक परिचर्चा आयोजित हुई जिसके बाद समापन समारोह सम्पन्न हुआ। पी.सी.मोहंती, उपाध्यक्ष, भारत कृषक समाज, नई दिल्ली और अध्यक्ष, उड़ीसा कृषक समाज, भुवनेश्वर मुख्य अतिथि थे। इस कार्यक्रम में ओडिशा के पुरी तथा कटक जिलों के विभिन्न गांवों से 80 से अधिक फार्म महिलाओं व अन्य स्टेक होल्डरों ने भाग लिया। एस.के.श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.- के.कृ.म.सं. ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा 'जय किसान जय विज्ञान' सप्ताह मनाने के महत्व के बारे में संक्षेप में बताया व जेंडर मुख्य धारा तथा महिला सशक्तीकरण में भा.कृ.अनु.प - के.कृ.म.सं. की भूमिका पर

Chief Guest Dr. P. C. Mohanty stressed upon the role of farmers to make India self reliant in food production. He also emphasized that the innovations in science and technology should reach to the farmers for increasing productivity and income. The first three winners of farmwomen's debate competition from each outreach programme were awarded by the Chief Guest on the occasion.

First Foundation Day of ICAR-CIWA

ICAR-CIWA celebrated its first foundation day on 17 February, 2016. On this occasion, Prof. P. P. Mathur, Vice-Chancellor, KIIT University, Bhubaneswar was the Chief Guest. Smt. Sujata R. Karthikeyan, Commission-cum-Director, Odisha Watershed Development Mission, Bhubaneswar and Dr. S. K. Ambast, Director, ICAR- Indian Institute of Water Management, Bhubaneswar were Guests of Honour. The programme was attended by more than 100 farm women from adopted villages of ICAR-CIWA and more than 50 delegates from different ICAR institutes, State departments and media personnel. Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA highlighted the potential of the institute as it is one of its kind working on Women in agriculture globally. Dr. S. K. Ambast mentioned the importance of drudgery reduction and efficient use of natural resource management for improving the condition of the farm women. Smt. Sujata R. Karthikeyan enlightened the audience underlining the significance of reaching out the farm women since they constitute half of the population. She highlighted on tailor made programs for empowerment of women SHG.

Review meeting of AICRP on Home Science, Collaborative projects and Outreach project

A Review Meeting on AICRP on Home Science and EFC approved ICAR-CIWA Collaborative, Outreach & Flagship projects and GAP was held at NAS Complex,

विस्तार से चर्चा की। मुख्य अतिथि पी.सी.मोहंती ने खाद्य उत्पादन में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में किसानों की भूमिका पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में होने वाली नई खोजों को किसानों तक पहुंचना चाहिए, ताकि उनकी उत्पादकता और आय में वृद्धि हो। प्रत्येक आउटरीच कार्यक्रम की वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान पाने वाली फार्म महिलाओं को इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया।

भा.कृ.अनु.प. - के.कृ.म.सं. का प्रथम स्थापना दिवस

भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान (भा.कृ.अनु.प. - के.कृ.म.सं.), भुवनेश्वर में 17 फरवरी, 2016 को स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रो.पी.पी.माथुर, कुलपति, के आईआईटी विश्वविद्यालय, केआईएसएस, भुवनेश्वर मुख्य अतिथि थे। श्रीमती सुजाता आर. कार्तिकेयन, आयुक्त एवं निदेशक, ओडिशा जलसंभर विकास मिशन, भुवनेश्वर और एस.के.अम्बास्ट, निदेशक, भा.कृ.अनु.प. -भारतीय जल प्रबंधन संस्थान, भुवनेश्वर सम्मानीय अतिथि थे। इस कार्यक्रम में भा.कृ.अनु.प. - के.कृ.म.सं. के गोद लिए गांवों से आई 100से अधिक फार्म महिलाओं ने भाग लिया तथा भा.कृ.अनु.प. के विभिन्न संस्थानों, राज्य के विभागों और मीडिया से आए 50से अधिक प्रतिनिधि भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प. -के.कृ.म.सं. ने संस्थान की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह विश्व में कृषि में महिलाओं पर कार्य करने वाले कुछ प्रमुख संस्थानों में से एक है। एस.के.अम्बास्ट ने श्रम को कम करने तथा फार्म महिलाओं की दशा को सुधारने के लिए प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन व दक्ष उपयोग के महत्व का वर्णन किया। श्रीमती सुजाता आर. कार्तिकेयन ने फार्म महिलाओं तक पहुंचने के महत्व के बारे में श्रोताओं को बताया क्योंकि ये महिलाएं जनसंख्या का आधा भाग हैं। उन्होंने महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के सशक्तीकरण के लिए पहले से तैयार किए गए अनुकूल कार्यक्रमों पर भी प्रकाश डाला।

गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी), सहयोगी परियोजनाओं, आउटरीच परियोजना की समीक्षा बैठक

गृह विज्ञान पर एआईसीआरपी तथा ईएफसी द्वारा अनुमोदित भा.कृ.अनु.प. - के.कृ.म.सं. सहयोगात्मक, आउटरीच तथा फ्लैगशिप परियोजनाओं व जीएपी-इंडिया की समीक्षा बैठक 19 व 20

New Delhi on 19-20 February, 2016 to review the research achievements and for preparing action plan for the period 2016-17. Dr. Narendra Singh Rathore, Deputy Director General (Agricultural Education), ICAR, New Delhi Chaired the sessions. He gave his critical comments for strengthening all the research projects and motivated all scientists to enhance the visibility of their efforts at national level. Dr. P. S. Pandey, Assistant Director General (EP&HS), ICAR, New Delhi in his inaugural speech stressed that scientist should focus on theme, action plan, output & outcome of the research work. Dr. M. B. Chetti, Assistant Director General (HRM), ICAR, New Delhi advised to give emphasis to Home Science discipline to enhance the number of students seeking admission to Home Science in SAUs. Dr. G. Venkateshwarlu, Assistant Director General (EQR), ICAR, New Delhi also advised to highlight the achievements of ICAR-CIWA particularly in AICRP Home Science at national level. The Director of ICAR-CIWA, Dr. Jatinder Kishtwaria in her introductory remarks emphasized to work with proper vision & strategy to bring visibility of research work at national level.

फरवरी,2016 को एनएएससी परिसर, नई दिल्ली में आयोजित की गई जिसमें 2016-17 की अवधि के लिए कार्य योजना तैयार करने के साथ-साथ अनुसंधान उपलब्धियों की समीक्षा भी की गई। नरेन्द्र सिंह राठौर, उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली ने सत्रों की अध्यक्षता की। उन्होंने सभी अनुसंधान परियोजनाओं को सबल बनाने के लिए ओलोचनात्मक टिप्पणियां कीं तथा वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रयासों की दृष्टि को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। पी.एस.पाण्डे, सहायक महानिदेशक (ईपी और एचएस), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली ने अपने उद्घाटन भाषण में इस बात पर बल दिया कि वैज्ञानिकों को अपने मुख्य विषय, कार्य योजना तथा अनुसंधान कार्य के परिणाम पर विशेष ध्यान देना चाहिए। एम.बी.चेट्टी, सहायक महानिदेशक (एचआरएम), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली ने गृह विज्ञान विषय पर बल देने का परामर्श दिया ताकि राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में गृह विज्ञान विषय में प्रवेश पाने वाले छात्रों की संख्या बढ़ाई जा सके। जी. वेंकटेश्वरलु, सहायक महानिदेशक (ईक्यूआर), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली ने भी राष्ट्रीय स्तर पर विशेष रूप से गृह विज्ञान पर एआईसीआरपी में भा.कृ.अनु.प.- के.कृ.म.सं. की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. के निदेशक जतिन्दर किश्तवारिया ने अपनी परिचयात्मक टिप्पणी में उचित दृष्टि और कार्यनीति के साथ कार्य करने पर बल दिया ताकि अनुसंधान कार्य में राष्ट्रीय स्तर पर पारदर्शिता लाई जा सके।

National Science Day

ICAR-CIWA celebrated "National Science Day" on 29 February, 2016. The theme for celebrating the day was "Make in India: S & T Innovations". On this occasion Dr. Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA was the Chief Guest. Two eminent scientists Dr. P. S. Brahmanand, Senior Scientist, ICAR-IIWM, Bhubaneswar and Prof. (Dr.) Birendra K. Das, Director and Chief of Nuclear Medicine, Utkal Institute of Medical Sciences, Bhubaneswar were invited to deliver talks as well as displayed the technologies and innovations of ICAR-CIWA for the benefit of the participants. Dr. Jatinder Kishtwaria, Director & Chief Guest, briefed the history

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान (भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं.) ने 29 फरवरी, 2016 को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया। इस दिवस का मुख्य विषय 'मेक इन इंडिया: एस और टी नवोन्मेष'था। इस अवसर पर जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. मुख्य अतिथि थीं। दो प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों नामत: पी. एस.ब्रह्मानंद, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प.-आईआईडब्लूएम, भुवनेश्वर तथा प्रो.बिरेन्द्र के. दास, निदेशक एवं न्यूक्लियर मेडिसिन के प्रमुख उत्कल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, भुवनेश्वर को प्रतिभागियों के लाभार्थ वार्ताएं प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया तथा इसमें भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं.की प्रौद्योगिकियों व नई-नई खोजों को भी प्रदर्शित किया गया। जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक एवं मुख्य अतिथि ने भारत में 'राष्ट्रीय दिवस'

and importance of the celebrating "National Science Day" in India. She also highlighted the S & T innovations of ICAR-CIWA and their role in empowering women in agriculture. The programme was coordinated by Dr. Sabita Mishra, Dr. Jyoti Nayak and Dr. Shivaji Dadabhau Argade.

International Women's Day

ICAR-CIWA celebrated "International Women's Day" on 8 March, 2016. The theme of ICAR-CIWA for the day was " Agri-entrepreneurship for empowerment of women". On this occasion Dr. (Mrs.) Charmaine Smith was the Chief Guest and Dr. Jimmy Smith, Director General, International Livestock Research Institute, Kenya was the Guest of Honour. The programme was attended by farm women from Pitapalli and Maidharpada villages, Women group of Kalinga Vihar, Bhubaneswar, successful women entrepreneurs, and the scientific, technical and administrative staff members of ICAR-CIWA and ICAR-CARI (RRC). Dr. (Mrs.) Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA in her address highlighted that, only empowered women in the domain of agriculture is key to food security, household nutritional security, climatic resilience and overall prosperity of the rural areas. The occasion was celebrated at ICAR-CIWA by organizing a programme focusing on Agri-entrepreneurship for empowerment of women, under the overall theme of 'Gender Equality'. Two scientific talks were delivered on the occasion by eminent speakers Dr B. N. Sadangi, Principal Scientist (ICAR-NRRI) and Dr. Amar KJR Nayak, Professor, Xavier Institute of Management. On the occasion, a successful women entrepreneur Mrs. Jayanti Sahoo was felicitated by the Chief Guest Dr. (Mrs.) Charmaine Smith and Director ICAR-CIWA for her achievements and inspiring other women. Dr Jimmy Smith, DG, ILRI, the Guest of Honour of the programme gave an analytical remark on women's role in livestock care and management. Chief Guest Dr. (Mrs.) Charmaine Smith, enlightened the house on the emotional and

आयोजित करने के इतिहास व महत्व के बारे में संक्षेप में बताया। उन्होंने भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी नई खोजों व कृषिरत महिलाओं के सशक्तीकरण में इस संस्थान की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समन्वयन सबिता मिश्रा, ज्योति नायक और शिवाजी अरगडे ने किया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

भा.कृ.अनु.प. -केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान (भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं.) ने 8 मार्च, 2016 को 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' मनाया। भा.कृ.अनु.प. -के.कृ.म.सं. का इस दिवस से संबंधित मुख्य विषय था 'महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए कृषि-उदयमशीलता'। इस अवसर पर श्रीमती चारमैन स्मिथ, अंतरराष्ट्रीय पशुधन अनुसंधान संस्थान, केनिया मुख्य अतिथि थीं तथा जिम्मी स्मिथ, महानिदेशक, अंतरराष्ट्रीय पशुधन अनुसंधान संस्थान, केनिया सम्मानीय अतिथि थे। इस कार्यक्रम में पाटीपल्ली और मैधारपाड़ा गांवों की फार्म महिलाओं, कजेंडर विहार, भुवनेश्वर के महिला समूह, सफल महिला उद्यमियों, भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. के वैज्ञानिक, तकनीकी व प्रशासनिक स्टाफ के सदस्यों व भा.कृ.अनु.प.-सीएआरआई (क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र) के कार्मिकों ने भाग लिया। श्रीमती जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं. ने अपने भाषण में कहा कि केवल सशक्त महिलाएं ही कृषि के क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा, घरेलू पौषणिक सुरक्षा, जलवायु समुत्थानशीलता और ग्रामीण क्षेत्रों की सकल समृद्धि में मुख्य भूमिका निभा सकती हैं। इस अवसर पर भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. में एक कार्यक्रम भी आयोजित हुआ जिसमें 'जेंडर समानता' के सकल मुख्य विषय के अंतर्गत महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए कृषि उद्यमशीलता पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया गया। प्रतिष्ठित वक्ताओं में डॉ.बी.एन.सारंगी, प्रधान वैज्ञानिक (भा.कृ.अनु.प.-एनआरआरआई) और अमर केजेआर नायक, प्राध्यापक, जैवियर इंस्टीट्युट ऑफ मैनेजमेंट ने इस अवसर पर वैज्ञानिक वार्ताएं भी प्रस्तुत कीं। इस मौके पर एक सफल महिला उद्यमी श्रीमती जयंती साहू को उनकी उपलब्धियों तथा अन्य महिलाओं को प्रेरित करने के लिए मुख्य अतिथि श्रीमती चारमैन स्मिथ और निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. द्वारा सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आतिथि जिम्मी स्मिथ, महानिदेशक, आईएलआरआई ने पशुधन की देखभाल एवं प्रबंध में महिलाओं की भूमिका पर विश्लेषणात्मक टिप्पणी प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि श्रीमती चारमैन स्मिथ ने अपने सम्बोधन में महिलाओं की भावनात्मक तथा मनोवैज्ञानिक शक्ति तथा महिला होने के आनंद के बारे में

psychological strength of women and the pleasure of being a woman. She also gave an account of the challenges ahead of women globally and hoped that this type of attempts will be helpful in giving women equality. She also expressed her pleasure for being a part of the celebration. The programme was coordinated by Dr. Anil Kumar, Dr. L. P Sahoo and Dr. S. Tanuja.

National Seminar in Hindi

A Rajbhasha Scientific Seminar/Sangoshthi was organized at ICAR-CIWA, Bhubaneswar on 17 March, 2016 in collaboration with four other scientific and higher education institutes of different Ministry – CSIR-Institute of Minerals and Material Technology, Institute of Physics, National Institute of Science Education and Research, and Institute of Life Sciences. The topic of the seminar was 'Role of science and technology institutions in Start-up India Mission. Seminar was Chaired by Dr. (Mrs.) Jatinder Kishtwaria, Director, ICAR-CIWA, Bhubaneswar and she emphasizes the role of science and research institution in Start-up India Mission. In this seminar 104 participants of different science and technology institution participated and nine research papers / lectures were presented. The Sangoshthi was coordinated by Shri V. Ganesh Kumar-ICAR-CIWA, Shri B. Behera –IOP, Shri D. B. Singh-NISER, Shri D. Goswami-ILS, and Dr. Manish Kumar and Shri T. Venkat Raju- CSIR-IMMT. Dr. Abha Singh, Senior Scientist, ICAR-CIWA acted as Sangoshthi Sanyojak.

Swachh Bharat Abhiyan

As part of the ongoing 'National Sanitation Campaign', on-campus weekly 'Cleanliness Drives' were regularly organized at ICAR-Central Institute for Women in Agriculture (ICAR-CIWA) premises, Bhubaneswar. All the staff members participated in the mass cleanliness drives for about two hours from 16:00 Hrs to 18:00 Hrs on every working Saturdays.

As part of the Collaborative Project on 'Livelihood and Nutritional Improvement of Tribal Farmwomen through Horticulture', an awareness campaign on hygiene and sanitation was organized at Tribal Village Kamaninga in Dhenkanal district in Odisha on 6 October, 2015. The farm families also participated in

श्रोताओं को बताया। उन्होंने विश्व में महिलाओं के समक्ष आने वाली चुनौतियों का लेखा-लेखा प्रस्तुत किया और यह आशा व्यक्त की कि इस प्रकार के प्रयासों से महिलाओं को समानता प्रदान करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने इस समारोह में भाग लेने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम का समन्वयन अनिल कुमार, एल.पी.साहू और तनुजा ने किया।

हिन्दी में राष्ट्रीय सेमिनार

भा.कृ.अनु.प.- के.कृ.म.सं. भुवनेश्वर में चार अन्य वैज्ञानिक एवं विभिन्न मंत्रालयों के उच्च शिक्षा संस्थानों सीएसआईआर-खनिज एवं पदार्थ प्रौद्योगिकी संस्थान, भौतिकी संस्थान, राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान तता जीवन विज्ञान संस्थान के सहयोग से 17मार्च 2016 को एक राजभाषा वैज्ञानिक सेमिनार/संगोष्ठी का आयोजन किया या। इस सेमिनार का मुख्य विषय 'स्टार्ट अप इंडिया मिशन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थानों की भूमिका' था। सेमिनार की अध्यक्षता श्रीमती जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. भुवनेश्वर ने की और उन्होंने स्टाटअप इंडिया मिशन में विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थानों की भूमिका पर बल दिया। इस सेमिनार में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न संस्थानों से 104 प्रतिभागियों ने भाग लिया तता नौ अनुसंधान पत्र/व्याखान प्रस्तुत किए गए। इस संगोष्ठी का समन्वयन श्री वी.गणेश कुमार, भा.कृ.अनु.प–के.कृ.म.सं.; श्री पी. बेहरा-आईओपी, श्री डी.बी.सिंह-एनआईएसईआर, श्री डी. गोस्वामी-आईएलएस, मनीष कुमार तथर श्री टी. वैंकटराजू-सीएसआईआर-आई एमएमटी ने किया। आभा सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. ने संगोष्ठी संयोजक के रुप में कार्यक्रम को आयोजित किया।

स्वच्छ भारत अभियान

वर्तमान 'राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान' के एक भाग के रूप में केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान (भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं.), भुवनेश्वर परिसर में साप्ताहिक 'स्वच्छता अभियान' नियमित रूप से आयोजित किए गए। स्टाफ के सभी सदस्यों ने प्रत्येक कार्य दिवस वाले शनिवार को अपराहन ४ बजे से ६बजे तक लगभग २घंटों के लिए आयोजित वृहत स्वच्छता अभियानों में भाग लिया।

बागवानी के माध्यम से 'आदिवासी फार्म महिलाओं के आजीविका तथा पौषणिक सुधार' पर सहयोगी परियोजना के एक भाग के रूप में 6 अक्तूबर, 2015 को ओडिशा के धेनकनाल जिले के आदिवासी गांव कामानिंगा में स्वस्छता तथा सफाई पर एक जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। फार्म

cleanliness drive, and cleaned the village roads. As part of the TSP Project, off-campus awareness cum cleanliness drive was conducted at Village Tarajodi in Mayurbhanj District on 15 October, 2015. Farm women, men and rural youth numbering about 80 participated in the programme, and cleaned the approach roads and habitat areas in the village. Awareness was created among them about the *Swachh Bharat* initiatives, and the significance of keeping the village neat and clean, and about the prompt disposal of wastes.

परिवारों ने भी स्वच्छता अभियान में भाग लिया तथा गांव की सड़कों को साफ किया। टीएसपी परियोजना के एक अंग के रूप में 15 अक्तूबर, 2015 को मयूरभंज जिले के ताराजोड़ी गांव में परिसर से इतर जागरूकता एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। लगभग 80 फार्म महिलाओं, पुरुषों तथा ग्रामीण युवाओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया तथा गांव में पहुंचने वाली सड़कों तथा आवासी क्षेत्रों की सफाई की। इन सब के बीच स्वच्छ भारत संबंधी पहलों के बारे में जागरुकता सृजित की गई और गांव को स्वच्छ रखने व कचरे के त्वारित निपटान के महत्व के बारे में भी जागृत किया गया।

Mera Gaon Mera Gaurav Initiative

मेरा गांव मेरा गौरव पहल

Under the Mera Gaon Mera Gaurav programme, four team comprising sixteen scientists had selected 20 villages of Odisha under this initiative. ICAR-CIWA conducted 18 interface meetings, 4 demonstrations and 2 training programmes. Through the programme technologies like rearing and management of backyard poultry, hybrid Napier fodder cultivation, gender friendly tools, portrays and coco pith for quality seedling raising, improved vegetable varieties were disseminated to the rural women of the adopted villages.

मेरा गांव मेरा गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत सोलह वैज्ञानिकों के चार दलों ने इस पहल के अंतर्गत ओडिशा के 20 गांवों को चुना है। भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. द्वारा 18 परिचर्चा बैठकें, ४ प्रदर्शन व २ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। घर के पिछवाड़े मुर्गी पालन और प्रबंध, संकर नेपियर चारे की खेती, जेंडर के अनुकूल औजारों, गुणवत्तापूर्ण पौद उगाने के लिए प्रोट्रे और कोकोपिथ, सब्जियों की उन्नत किस्मों जैसी प्रौद्योगिकियों को इस कार्यक्रम के माध्यम से अपनाए गए गांवों की ग्रामीण महिलाओं के बीच प्रचारित व प्रसारित किया गया।

EXTENSION ACTIVITIES/TRAININGS/WORKSHOPS/ INTERFACE MEETINGS CONDUCTED

आयोजित विस्तार गतिविधियां/प्रशिक्षण/कार्यशालाएं/परिचर्चा बैठकें

Under the project 'Development and testing of institutional innovations for empowering women in agriculture' a training programme on "Gender Sensitization for Strengthening Women Perspective in Agriculture" was conducted at ICAR-CIWA from 28-30 January, 2016 in which 33 NGO workers from 21 NGOs covering 9 districts of Odisha participated. Dr. Sabita Mishra, Dr. Ananta Sarkar, Dr. L. P. Sahoo, Ms. Gayatri Moharana & Dr. Shivaji Argade coordinated the programme.

कृषिरत महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए संस्थागत नवप्रवर्तनों का विकास एवं उनका परीक्षण परियोजना के अंतर्गत भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. में 28 से 30 जनवरी, 2016 तक 'कृषि में महिला परिप्रेक्ष्य के सबलीकरण हेतु जेंडर संवेदीकरण' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें ओडिशा के नौ जिलों के 21 स्वयं सेवी संगठनों के 33 स्वयं सेवी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सबिता मिश्रा, अनंता सरकार, एल.पी.साहू, सुश्री गायत्री मोहराना और शिवाजी अरगडे ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

A one day 'Gender Sensitization' workshop for faculty and students (50) of Department of Agribusiness Management, OUAT on 19 March, 2016 at Department of Agribusiness Management, OUAT, Bhubaneswar was conducted by Dr. L. P. Sahoo, Dr. Ananta Sarkar, Ms. Gayatri Moharana & Dr. Shivaji Argade. A one day interactive Session with the faculty of Extension Department and farm women at ICAR Research Complex, Barapani on 22 March, 2016 was conducted as part of the project.

ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि व्यवसाय प्रबंधन विभाग के संकाय सदस्यों व छात्रों (50) के लिए एक दिवसीय जेंडर संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन 29 मार्च, 2016 को किया गया। इसका आयोजन एल.पी.साहू, अनंत सरकार, सुश्री गायत्री मोहराना और शिवाजी अरगडे ने किया। इसी प्रकार, 22 मार्च, 2016 को परियोजना के एक अंग के रूप में विस्तार विभाग के संकाय सदस्यो तथा फार्म महिलाओं के लिए भा.कृ.अनु.प. अनुसंधान परिसर, बड़ापानी में एक दिवसीय परिचर्चा सत्र आयोजित किया गया।

TRAINING PROGRAMMES FOR FARM WOMEN CONDUCTED

कृषिरत महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

Skill upgradation programme on 'Low Cost Poly House for Vegetable Production' was conducted at Village Bholgodia in Shamakhunta block of Mayurbhanj district on 15 October 2015. Materials including 200 micron polythene sheets and insect proof nets were also distributed to farm families to install 70 sq. m poly house. As part of the programme, an interface with farmwomen was also conducted during which, the issues of women in agriculture were discussed. The farm women were issued advisories about rabi season crops. Improved seeds of cabbage, beans, green leafy vegetables and coriander were distributed to about 20 farm women, who participated in the programme. Dr. J. Charles Jeeva co-ordinated the programme

मयूरभंज जिले के शमाखुंटा ब्लॉक के भोलगोदिया गांव में 15 अक्तूबर, 2015 को 'सब्जी उत्पादन के लिए कम लागत वाले पॉलीहाउस' पर एक कुशलता उन्नतयन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फार्म परिवारों को 70 वर्ग मी. के पॉलीहाउस स्थापित करने के लिए 200 माइक्रॉन की पॉलिथीन की चादरों व कीटरोधी जालों सहित अन्य सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम के एक अंग के रूप में फार्म महिलाओं के लिए एक परिचर्चा भी आयोजित हुई जिसमें कृषि में महिलाओं से संबधित मुद्दों पर चर्चा हुई। फार्म महिलाओं को रबी मौसम की फसलों के बारे में परामर्श दिए गए। लगभग 20 फार्म महिलाओं को जिन्होंने कार्यक्रम में भाग लिया था, उन्हें बंदगोभी, बीन्स, हरी पत्तेदार सब्जियों तथा धनिया के बीज वितरित किए गए। जे.चार्ल्स जीवा ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

An awareness creation cum skill upgradation programme on intercrops in potato cultivation at the tribal village K. M. Bhalia Shahi in R. Udayagiri block of Gajapati district on 30 January, 2016. During the programme, a stakeholder meeting was organized and the seed needs for forthcoming seasons were assessed. During the occasion, seeds such as hybrid sunflower and beans were distributed to about 30 tribal farm families. Dr. J. Charles Jeeva Co-ordinated the programme

गजपति जिले के आर. उदयगिरी ब्लॉक के के.एम.भालिया साही नामक आदिवासी गांव में 30 जनवरी, 2016 को आलू की खेती में अंरतफसलों पर एक जागरूकता सृजन व कुशलता उन्नयन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान स्टेकहोल्डरों की एक बैठक आयोजित की गई तथा आने वाले मौसमों के लिए बीज संबंधी आवश्यकताओं का मूल्यांकन किया गया। इस अवसर पर लगभग 30 आदिवासी फार्म परिवारों को संकर सूरजमुखी तथा बीन्स के बीज भी वितरित किए गए।

An awareness programme on scientific and hygienic storage of food grains to prevent losses during storage was organized on 28 March, 2016 at village K.M. Bhalia Sahi in R. Udayagiri block of Gajapati district. A total of 60

इसी प्रकार, गजपति जिले के आर.उदयगिरि ब्लॉक के के.एम.भालिया साही गांव में 28 मार्च, 2016 को 'भंडारण के दौरान हानि से बचाने के लिए खाद्यान्नों का वैज्ञानिक व स्वच्छ भंडारण' विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 60

tribal farm women attended the programme. On the occasion, metallic grain storage bins were also distributed to 60 tribal women to promote effective pest management and scientific storage for taking care of the food and nutrition security of the families.

Dr. Sabita Mishra, Dr. Anil Kumar and Dr. Ananta Sarkar conducted Poultry Field Day on 13 January, 2016 at Padasahi village and on March 09, 2016 at Haridamada village under MAPEM project

Under the institute project " Aqua and poultry feed from fish and shellfish wastes for employment generation of coastal women" A training-cum-demonstration programme on "Production of fermented silage from fish waste and its application as feed and manure" was imparted to 36 fisherwomen from Puri on 23-24 February, 2016. Dr. Tanuja S. and Dr. Anil Kumar were the co-ordinators of the programme.

A training programme on 'Management of backyard poultry' was organized under the collaborative project on "Empowerment of farm women through livestock technologies" at ICAR-CIWA on 22 March, 2016. Thirty five farmers including 28 women from two villages Alapur (Gop block, Puri district) and Chamrapada (Barang block, Cuttack district) participated in the training programme. Dr. Anil Kumar, Dr. B. Sahoo, Dr. Tanuja S. and Dr. Shivaji Argade co-ordinated the programme.

Scientists-farmers interface meeting under the project Empowerment of farm women for improved quality of life was organized in village Haridamada of Khurda district of Odisha and Nabha village of Patiala district of

आदिवासी फार्म महिलाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर 60 आदिवासी ग्रामीण महिलाओं को धातु के अनाज भंडारण कोठार वितरित किए गए ताकि परिवारों की खाद्य एवं पौषणिक सुरक्षा की देखभाल के लिए प्रभावी नाशकजीव प्रबंध और वैज्ञानिक भंडारण को बढ़ावा दिया जा सके।

सबिता मिश्रा, अनिल कुमार और अनंत सरकार ने एमएपीईएम परियोजना के अंतर्गत पदासाही गांव में 13 जनवरी 2016 और हरिदामादा गांव में 9 मार्च, 2016 को कुक्कुट क्षेत्र दिवस आयोजित किया।

'तटवर्ती महिलाओं के लिए रोजगार सृजन हेतु मछली तथा कवच अपशिष्ट से जलीय तथा कुक्कुट आहार' परियोजना के अंतर्गत पुरी में 23 और 24 फरवरी, 2016 को 36 मछुआरिनों को 'मछली अपशिष्ट से किण्वित साइलेज का उत्पादन और आहार व खाद के रूप में इसका अनुप्रयोग' विषय पर एक प्रशिक्षण व प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। तनुजा एस.और अनिल कुमार इस कार्यक्रम के समन्वयक थे।

भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. में 'पशुधन प्रौद्योगिकियों के माध्यम से फार्म महिलाओं के सशक्तीकरण' पर सहयोगी परियोजना के अंतर्गत 22 मार्च, 2016 को 'घर के पिछवाड़े मुर्गीपालन का प्रबंधन' विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें दो गांवों नामत: अलपुर (गोप ब्लॉक, पुरी जिला) तथा चामरपाडा (बरांग ब्लॉक, कटक जिला) से आई 28 महिलाओं सहित कुल 35 किसानों ने भाग लिया। अनिल कुमार, बी. साहू, तनुजा एस. और शिवाजी अरगडे ने इस कार्यक्रम का समन्वयन किया।

ओडिशा के खुर्दा जिले के हरिदामादा गांव तथा पंजाब के पटियाला जिले के नाभा गांव में 'जीवन की उन्नत गुणवत्ता के लिए फार्म महिलाओं का सशक्तीकरण' शीर्षक की परियोजना के अंतर्गत 14 अक्तूबर, 2015 और 28 मार्च, 2016

Punjab on 14 October, 2015 & 28 March, 2016 in which selected 80 farm women participated. Dr. Jyoti Nayak and Dr. Abha Singh coordinated the programme.

को किसानों, वैज्ञानिकों के बीच एक परिचर्चा बैठक आयोजित हुई जिसमें हुई जिसमें चुनी हुई 80 फार्म महिलाओं ने भाग लिया। ज्योति नायक और आभा सिंह ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

MASS MEDIA PROGRAMME

Dr. Sabita Mishra delivered a talk on "Gender Issues in Agriculture and Strategy for Mainstreaming" on 21 January, 2016 at AIR, Cuttack. Dr. A. K. Panda delivered a talk on "Byabasayaka Bhittire Kukuda Palana at All India Radio" on 11 February, 2016 in Auxiliary Studio Bhubaneswar which was broadcasted on 17 February, 2016 at 7:30 PM.

मास मीडिया कार्यक्रम

सबिता मिश्रा ने 21 जनवरी, 2016 को आकाशवाणी, कटक में 'मुख्य धारा में लाने के लिए कृषि और कार्यनीति से संबंधित जेंडर से जुड़े मुद्दों' पर एक वार्ता प्रस्तुत की। ए.के. पाण्डा ने 11 फरवरी, 2016 को ऑक्ज़ीलरी स्टुडियो, भुवनेश्वर में 'आकाशवाणी में व्यावसायका भित्तीरे कुकुडा पालन' पर एक वार्ता प्रस्तुत की जिसे 17 फरवरी, 2016 को अपराहन ७:३० बजे प्रसारित किया गया।

JOINING / TRANSFER / PROMOTION

New Director Joined at ICAR- CIWA

New Director Dr. (Mrs.) Jatinder Kishtwaria joined ICAR-CIWA, Bhubaneswar on 16 February, 2016. Prior to joining this institute, she was Dean, College of Home Science at Punjab Agriculture University, Ludhiana. She has vast experience in research, extension and administration which will give new heights to the institute.

Ms. Chaitrali Shashank Mhatre, Scietist, Farm Machinery and Power was also joined at ICAR-CIWA on 12 October, 2015.

पदभार ग्रहण/ स्थानांतरण/ पदोन्नति

नई निदेशक द्वारा भा.कृ.अनु.प. -के.कृ.म.सं. में पदभाग ग्रहण

नई निदेशक श्रीमती जतिन्दर किश्तवारिया ने 16 फरवरी, 2016 को भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं., भुवनेश्वर में पदभार ग्रहण किया। इस पद का भार ग्रहण करने के पूर्व आप पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठता थीं। उन्हें अनुसंधान, विस्तार और प्रशासन का व्यापक अनुभव है जिससे यह संस्थान नई ऊंचाइयां प्राप्त करेगा।

सुश्री चैत्राली शशांक म्हात्रे, वैज्ञानिक, फार्म यंत्र एवं शक्ति ने 12 अक्तूबर, 2015 को भा.कृ.अनु.प. -के.कृ.म.सं. में पदभार ग्रहण किया।

Distinguished Visitors

1. Dr. Prasanna Kumar Patasani, Member of Parliament, visited the ICAR-CIWA on 4 December, 2015.
2. Shri P. C. Mohanty, Chairman, Orissa Krishak Samaj visited the institute on 29 December, 2015.
3. Dr. H. Rehman, Deputy Director General (Animal Science), ICAR, New Delhi and Dr. A. K. Srivastava, Director, ICAR-NDRI, Karnal visited ICAR-CIWA on 20 January, 2016.
4. Mr. and Mrs. Jimmy Smith, Director General, International Livestock Research Institute, Kenya visited ICAR-CIWA on 8 March, 2016.

सम्मानीय अतिथि

१. डॉ. प्रसन्न कुमार पाटसाणी, सांसद, भुवनेश्वर ने कृषिरत महिला दिवस के अवसर पर 4 दिसम्बर,2015 को भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. का दौरा किया।

२. श्री पी.सी.मोहंती, अध्यक्ष, ओडिशा कृषक समाज, भुवनेश्वर ने 29 दिसम्बर,2015 को संस्थान का दौरा किया।

३. डॉ.एच.रहमान, उप महानिदेशक (पशु विज्ञान), भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली और डॉ.ए.के.श्रीवास्तव, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-एन.डी.आर.आई., करनाल ने 20 जनवरी, 2016 को भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. का दौरा किया।

४. श्री एवं श्रीमती. जिम्मी स्मिथ, महानिदेशक, अंतरराष्ट्रीय पशुधन अनुसंधान संस्थान, केनिया ने 8 मार्च, 2016 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संस्थान का दौरा किया।

Training / Conference / Workshop /Seminar / Exhibitions Attended by the Scientists

Name of the scientist	Name of the programme	Duration	Place
Dr. S. K. Srivastava	National seminar on ITKs	28-29 October, 2015	New Delhi
Dr. Anil Kumar & Dr. B. Sahoo	International grass land congress- 2015	20-24 November, 2015	New Delhi
Dr. B. Sahoo, Ms. Gayatri Moharana, S. K. Das and P. K. Rout	International trade fair- 2015	20-27 November, 2015	New Delhi
Dr. A. K. Panda	Meeting cum workshop on remote sensing based information and insurance for crops in emerging economies	21 November, 2015	Bhubaneswar
Dr. A. K. Panda	Agro-climatic zone workshop	23 November, 2015	Bhubaneswar
Dr. Sabita Mishra, Dr. Jyoti Nayak, Dr. Abha Singh & Ms. Gayatri Moharana	International conference on humanizing work and work environment -2015	06-09 December, 2015	IIT, Bombay
Dr. jyoti Nayak, Dr. Tanuja S. & Dr. Shivaji Argade	State level function of 'Jai Kisan Jai Vignyan' week	28 December, 2015	IMAGE Bhubaneswar
Dr. J. Charles Jeeva	8th International conference on innovative digital applications for sustainable development,	5-7 January, 2016	UAS, Bengaluru
Dr. S. K. Srivastava, Dr. Anil Kumar, Dr. A. K. Panda, Dr. J. Charles Jeeva, Dr. Tanuja S. & Ms. Gayatri Moharana	National Seminar on 'Innovations in coastal agriculture - current status and potential under changing environment '	14-17 January, 2016	ICAR-IIWM, Bhubaneswar
Dr. J. Charles Jeeva	ICAR-SAUs-State departments interface meet	28 January, 2016	OUAT, Bhubaneswar
Dr. J. Charles Jeeva	Interactive session for effective implementation of RTI Act 2005	29 January, 2016	ICAR-IIWM, Bhubaneswar.
Dr. J. Charles Jeeva	Training workshop on "Competency development of HRD nodal officers of ICAR institutes"	09-12 February, 2016	ICAR-NAARM, Hyderabad
Dr. Jyoti Nayak & Dr. Abha Singh	Exhibition on the occasion of golden jubilee of Orissa Horticulture Society	10-12 February, 2016	OUAT, Bhubaneswar
Dr. S. K. Srivastava	XV AZRA international conference on recent advances in life sciences	11-13 February, 2016	Chennai
All scientific staff of ICAR-CIWA	Brainstorming on "Gender issues in agriculture in changing development scenario"	17 February, 2016	ICAR-CIWA, Bhubaneswar
Dr. B. Sahoo & Dr. Tanuja S.	Multi-stakeholder innovation platform to facilitate small ruminant value chain development through public-private-producer-partnership meeting	19 February, 2016	BIMTECH, Bhubaneswar
Dr. A. K. Panda, Dr. J. Charles Jeeva, Mr. B. C. Behera and Mr. A. C. Hemrom	Agri-Horti Fair	20-22 February, 2016	Bargarh, Odisha
Dr. J. Charles Jeeva	Workshop on "Awareness creation on IPR"	11 March, 2016	Bhubaneswar
Dr. Sabita Mishra, Dr. Jyoti Nayak and Mr. S. K. Das	State Krishi Mahostav-2016	11-14 March, 2016	Bhubaneswar
All Scientific and Technical Staff of ICAR - CIWA	National Hindi Seminar on "Start up India abhiyan me vigyan evam takniki sansthano ki bhoomika"	17 March, 2016	ICAR-CIWA Bhubaneswar
Dr. Sabita Mishra, Mr. S. K. Behera and Mr. A. C. Hemrom	Krishi Unnati Mela- 2016	19-21 March, 2016	IARI, New Delhi

Meetings / Programmes Attended By Director ICAR- CIWA, Bhubaneswar

Date	Place	Purpose
7-9 October, 2015	New Delhi	First Steering Committee meeting of the GAP-India
3 November, 2015	New Delhi	42nd foundation day of ASRB
4-5 November, 2015	Palampur	3rd IAVNAW Conference as a Chairman
18 November, 2015	Hyderabad	Review meeting of Vigilance Officers
20 November, 2015	New Delhi	Director's meeting regarding expenditure under plan & non-plan with SMD
21 November, 2015	New Delhi	Women panel meeting at NIPGR
22 November, 2015	New Delhi	IITF, 2015
22-24 January, 2016	New Delhi	Conference of Vice-Chancellors of State Agricultural Universities and Directors of ICAR Institutes
18-20 February, 2016	New Delhi	Review meeting of AICRP on Home Science and Discussion on EFC approved projects
26 February, 2016	ICAR-CIFA, Bhubaneswar	Interaction with Additional Secretary (DARE) & Secretary (ICAR)
15 March, 2016	OUAT, Bhubaneswar	Chief speaker for annual function of OUAT
18-19 March, 2016	New Delhi	Krishi Unnati Mela-2016
21-22 March, 2016	Ludhiana	Review meeting of AICRP on Home Science at Punjab Agricultural University

Editors : Dr. Abha Singh
: Dr. S. Tanuja
: Dr. Shivaji Argade

Published by : Dr. Jatinder Kishtwaria, Director
ICAR- Central Institute for Women in Agriculture
Baramunda, Bhubaneswar
Odisha-751 003 (India)
Phone- 0674-2386940, 2386241
Fax- 0674-2386242

Email : director.ciwa@icar.gov.in

Website : http://www.icar-ciwa.org.in

सम्पादक : डा. आभा सिंह
: डा. एस.तनुजा
: डा. शिवाजी अरगडे

प्रकाशन : डा. जतिन्दर किश्तवारिया, निदेशक
भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान,
डाकघर–बरमुण्डा, भुवनेश्वर – 751 003, ओडिशा
दूरभाष : 0674-2386940, 2386241
फैक्स : 0674-2386242

ई-मेल : director.ciwa@icar.gov.in

वेबसाइट : http://www.icar-ciwa.org.in